**श्री हनुमान जी की आरती | Hanuman Ji Ki Aarti Lyrics**

**आरती कीजै हनुमान लला की। दुष्ट दलन रघुनाथ कला की।।**.  
**जाके बल से गिरिवर कांपे। रोग दोष जाके निकट न झांके।।**.  
**अंजनि पुत्र महाबलदायी। संतान के प्रभु सदा सहाई।।**.  
**दे बीरा रघुनाथ पठाए। लंका जारी सिया सुध लाए।।**.  
**लंका सो कोट समुद्र सी खाई। जात पवनसुत बार न लाई।।**.  
**लंका जारी असुर संहारे। सियारामजी के काज संवारे।।**.  
**लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे। आणि संजीवन प्राण उबारे।।**.  
**पैठी पताल तोरि जमकारे। अहिरावण की भुजा उखाड़े।।**.  
**बाएं भुजा असुर दल मारे। दाहिने भुजा संतजन तारे।।**.  
**सुर-नर-मुनि जन आरती उतारे। जै जै जै हनुमान उचारे।।**.  
**कंचन थार कपूर लौ छाई। आरती करत अंजना माई।।**.  
**लंकविध्वंस कीन्ह रघुराई। तुलसीदास प्रभु कीरति गाई।।**.  
**जो हनुमानजी की आरती गावै। बसी बैकुंठ परमपद पावै।।**